अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade)

गतांक से आगे

प्रादेशिक व्यापार समूह

प्रदेशिक व्यापार समूह व्यापार की मदों में भौगोलिक सामीप्य, समरूपता और पूरकता के साथ विभिन्न देशों के मध्य व्यापार को बढ़ावा देने के लिए और विकासशील देशों पर लगे व्यापारिक प्रतिबंधों को हटाने के उद्देश्य से अस्तित्व में आए । यह समूह व्यापारिक शुल्क को कम कर देते हैं और मुक्त व्यापार को बढ़ावा देते हैं । हालांकि यह मुक्त व्यापार लगातार बने रहना बहुत ही कठिन होता है । विश्व के कुछ प्रदेशिक समूह निम्नलिखित है:

प्रादेशिक समूह	मुख्यालय	सदस्य राष्ट्र	उत्पत्ति	वस्तुएँ	सहयोग के अन्य क्षेत्र
ASEAN आसियान	जकार्ता इंडोनेशिया	ब्रुनेई, दारूस्सलाम, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम	अगस्त, 1967	कृषि उत्पाद, रबड़, ताड़ का तेल, चावल, नारियल, कॉफी, खनिज-तांबा, कोयला, निकिल और टंगस्टन, ऊर्जा पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा सॉफ्टवेयर उत्पाद	आर्थिक वृद्धि को त्वरित करना, सांस्कृतिक विकास, शांति और प्रादेशिक स्थायित्व
सी.आई.एस.	मिंसक, बेलारूस	आरमीनिया, अजरबैजान, बेलारूस, जॉर्जिया, कजाखस्तान, किरगिस्तान, मॉल्डोवा, रूस, ताजीकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, यूक्रेन और उजबेकिस्तान	–	अशोधित तेल, प्राकृतिक गैस, सोना, कपास, रेशे, एल्यूमिनियम	अर्थव्यवस्था, प्रतिरक्षा और विदेश नीति के मामलों पर समन्वय एवं सहयोग
ई.यू. यूरोपीय संघ	ब्रुसेल्स बेल्जियम	ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लाटविया, लिथुआनिया, लक्समबर्ग, माल्टा, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम	ई.ई.सी. मार्च 1957 ई.यू. फरवरी 1992	कृषि उत्पाद, खनिज, रसायन, लकड़ी, कागज, परिवहन की गाड़ियाँ, आप्टीकल उपकरण, घड़ियाँ, कलाकृतियाँ, पुरावस्तु	एकल मुद्रा के साथ एकल बाजार,
LAIA लेटिन अमेरिकन इंटीग्रेशन एसोसिएशन	मॉण्टेविडियो उरुग्वे	अर्जेंटाइना, बोलीविया, ब्राजील, कोलंबिया, इक्वाडोर, मैक्सिको, पराग्वे, पेरू, उरुग्वे और वेनेजुएला	1960	–	–
NAFTA नार्थ अमेरिकन फ्री ट्रेड एसोसिएशन	–	संयुक्त राज्य अमेरिका	1994	कृषि उत्पाद, मोटर गाड़ियाँ, स्वचालित पुर्जे, कंप्यूटर, वस्त्र	
ओपेक (आर्गेनाइजेशन ऑफ़ पैट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज)	वियना	अल्जीरिया, इंडोनेशिया, इरान, ईराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला	1949	अशोधित खनिज तेल	खनिज तेल की नीतियों का समन्वय एवं एकीकरण करना
साफ्टा (साउथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट)	–	बांग्लादेश, मालदीव भूटान, नेपाल, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका	जनवरी 2006	–	अंतर-प्रादेशिक व्यापार के करों को घटाना

स्रोत: एन सी ई आर टी

स्रोत: httpswww.worldatlas.comarticleswhat-is-a-trade-bloc-and-why-are-they-formed.html

विश्व के प्रमुख प्रादेशिक समूह

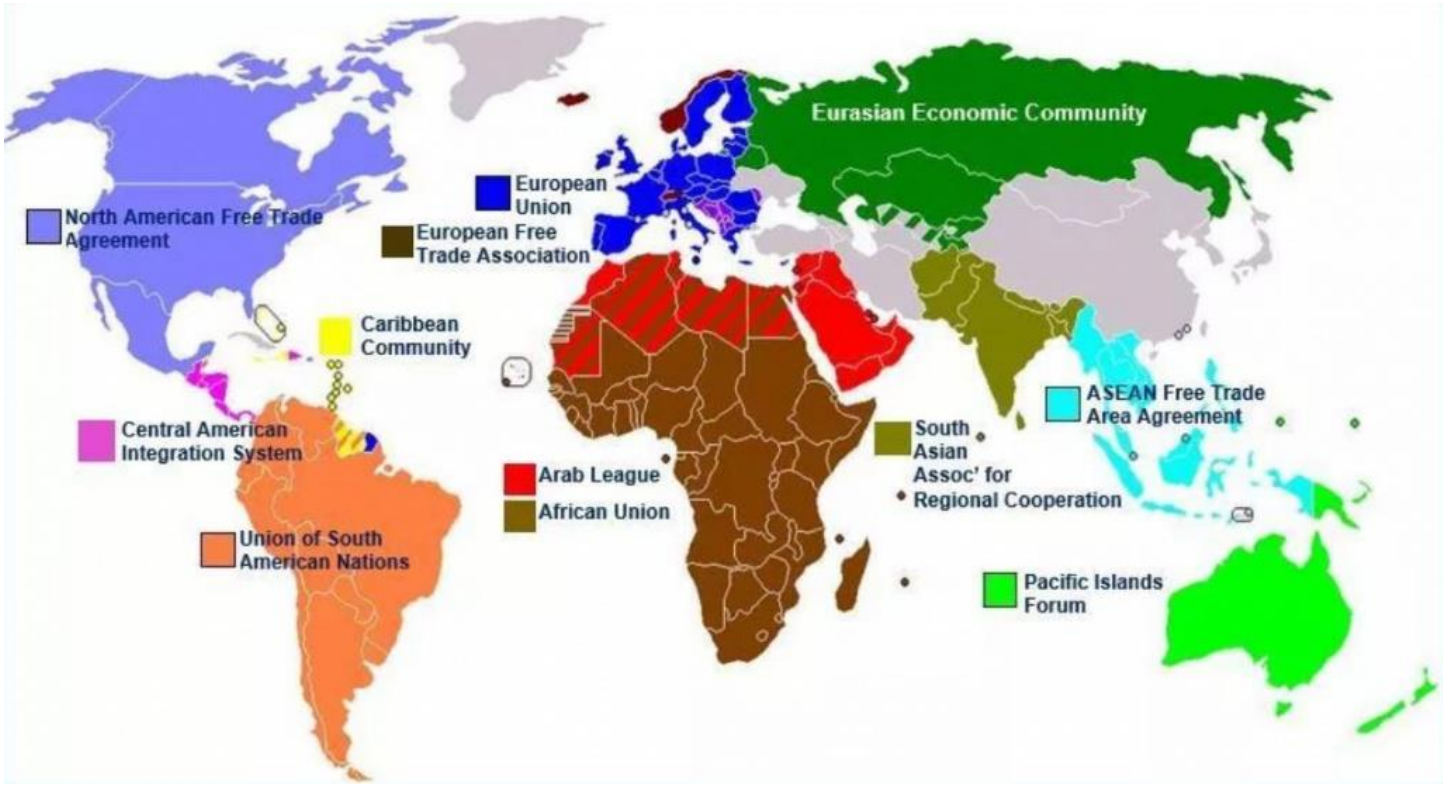

स्रोत: httpswwg.eu.comnews-blogwhat-is-a-trading-bloc-everything-you-need-to-know-in-2019

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार पत्तन

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में समुद्री पत्तनों का बहुत बड़ा महत्व है क्योंकि इन्हीं द्वारा विश्व भर में वस्तुओं और यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा जाता है । पतन जहाज के लिए गोदी, लादने, उतारने तथा भंडारण जैसी सुविधाएं प्रदान करता है ।

पतन के प्रकार

पत्तनों का वर्गीकरण उनके द्वारा संभाले गए यातायात के प्रकार के अनुसार किया जाता है ।

निपटाए गए नौभार के अनुसार: औद्योगिक पत्तन, वाणिज्यिक पत्तन, विस्तृत पतन

अवस्थिति के आधार पर: अंतर्देशीय पत्तन, बाह्य पत्तन

विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर: तेल पत्तन, मार्ग पत्तन/विश्राम पत्तन, पैकेट स्टेशन, अंत्रेपो पत्तन, नौसेना पतन

इत्यादि महत्वपूर्ण है

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लाभ और प्रभाव

हालांकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार होना देशों के लिए पारस्परिक **लाभदायक** होता है । यह निम्नलिखित के विशिष्टीकरण को प्रेरित करता है:

उत्पादन का उच्च स्तर
उच्च जीवन स्तर
वस्तु एवं सेवाओं के विश्वव्यापी उपलब्धता
कीमतों और वेतन का समानीकरण
ज्ञान एवं संस्कृति का प्रस्फुरण

इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय व्यापार उन देशों के लिए हानिकारक हो सकता है जहां

निर्भरता ज्यादा है,
विकास के स्तर असमान हैं
शोषण और युद्ध के द्वारा प्रतिद्वंद्विता बढ़ रही हो

यह विश्व व्यापार पूरे विश्व के पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और कल्याण को प्रभावित करता है परंतु इसका **दुष्परिणाम** भी सामने आ रहा है जैसे:

अत्यधिक व्यापार और प्रतिस्पर्धा के कारण सभी प्रकार के प्राकृतिक संसाधन आज तीव्र गति से नष्ट हो रहे हैं । समुद्री जीवन प्रभावित हो रहा है । वन काटे जा रहे हैं । नदी बेसिन का प्राकृतिक जलनिधि पेयजल कंपनियों को बेचे जा रहे हैं । तेल, गैस, खनन, औषधि, विज्ञान और कृषि व्यवसाय में संलग्न बहुराष्ट्रीय कंपनियां लगातार प्रदूषण को बढ़ा रही हैं । सतत पोषणीय विकास आज खतरे में पड़ गया है । पता नहीं हम किधर जा रहे हैं ?**********

- सन्दर्भ: एन सी ई आर टी, इन्टरनेट

बोलेंद्र कुमार अगम, सहायक प्राध्यापक, भूगोल, राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान

****